AIDS InfoNet www.aidsinfonet.org

अवसरवादी संक्रमण
(Opportunistic Infections)

Fact Sheet Number 500
फैक्टशीट संख्या 500

अवसरवादी संक्रमण क्या होते हैं?

हमारे शरीर में बहुत सारे जिवाणु होते हैं, जैसे बैक्टेरिया, कवक, एवं विषाणु। जब हमारा रोगप्रतिरोधक तंत्र कार्य कर रहा होता है तो वह इन जिवाणुओं को नियंत्रित करता है। परन्तु जब रोगप्रतिरोधक तंत्र एच.आई.वी. रोग से या दवाईयों से कमज़ोर पड़ जाता है तो ये जिवाणु नियंत्रण से बाहर हो जाते हैं तथा स्वास्थ समस्याओं का कारण बनते हैं।

ऐसे संक्रमण जो रोगप्रतिरोधक रक्षा तंत्र की कमज़ोरी का लाभ उठाते हैं उन्हें अवसरवादी संक्रमण कहते हैं। अंग्रेजी में अवसरवादी संक्रमणों को संक्षिप्त में ओ.आई. (अपॉरचुनिस्टिक इनफैक्शनस) कहा जाता है।

अवसरवादी संक्रमणों की जाँच

आपको अवसरवादी संक्रमण हो सकते हैं तथा जाँच में भी आप पॉजिटिव पाये जा सकते हैं हांलाकि आपको बिमारी नहीं होगी। उदाहरण के लिए लगभग हर कोई जिसे एच. आई.वी. है वो साईटोमैगालो (सी.एम.वी.) विषाणु की जाँच में संक्रमित पाया जाता है। परन्तु सी.एम.वी. रोग होना बहुत ही दुर्लभ है, जब तक की सी.डी.फोर कोशिकाओं की संख्या 50 से नीचे न आ जाए जो कि रोगप्रतिरोधक क्षमता के नष्ट होने का खतरनाक संकेत है।

यह जानने के लिए कि क्या आप अवसरवादी संक्रमणों से संक्रमित हैं आपके रक्त की एंटीज़न (वो जिवाणु जो कि ओ.आई. का कारण होते हैं) या एंटीबॉडी (रोगप्रतिरोधक तंत्र द्वारा निर्मित प्रोटीन जो कि जिवाणुओं से लड़ते हैं) के लिए जाँच की जायेगी। यदि एंटीज़न पाये जाते हैं तो इसका अर्थ है कि आप संक्रमित हैं। यदि एंटिबॉडी पाये जाते हैं तो इसका अर्थ है कि आप संक्रमण के संपर्क में आये हैं। हो सकता है कि आप संक्रमण के विरूद्ध प्रतिरोधक क्षमता प्राप्त कर चुके हों, या फिर रोग प्रतिरोधक तंत्र ने संक्रमण को साफ कर दिया हो या फिर आप अभी भी संक्रमित हैं। यदि आप किसी जिवाणु से संक्रमित हैं जो कि अवसरवादी संक्रमण का कारण है, और आपके सी.डी.फोर कोशिकाओं की संख्या बहुत कम होने के कारण अवसरवादी संक्रमण हो सकते हैं तो आपका स्वास्थ सेवाप्रदाता बिमारी के संकेत पता करने की कोशिश करेगा। यह विभिन्न अवसरवादी संक्रमणों के लिए अलग–अलग होते हैं।

अवसरवादी संक्रमण तथा एड्स

जिन लोगों को एड्स नहीं है उन्हें आप अवसरवादी संक्रमण हो सकते हैं यदि उनका रोगप्रतिरोधक तंत्र नष्ट हो चुका है। उदाहरण के लिए जैसे कैंसर के उपचार की कई दवाईयाँ रोगप्रतिरोधक तंत्र को दबा देती हैं। यदि आपको एच.आई.वी. संक्रमित हैं तथा आपको अवसरवादी संक्रमण हैं तो आपको एड्स हो सकता है।

सबसे सामान्य प्रकार के अवसरवादी संक्रमण क्या हैं?

एड्स महामारी के शुरूआती वर्षों में अवसरवादी संक्रमणों के कारण बहुत बिमारीयाँ तथा मौतें हुई। लोगों ने असरदार एंटीरिट्रोवायरल उपचार लेना शुरू कर दिया, हांलाकि बहुत कम लोगों को अवसरवादी संक्रमण हुए। यह साफ नहीं है कि एच.आई.वी. के साथ जी रहे लोगों में कितनो को कोई विशेष अवसरवादी संक्रमण है। महिलाओं में यौन रोग (योनी मार्ग में होने वाली स्वास्थ समस्याएँ) एच.आई.वी. होने के प्रारम्भिक लक्षण हो सकते हैं। इसमें वस्ति प्रदेश (पैल्विस) में ताप करने वाला रोग, बैक्टिरिया के कारण योनी मार्ग में होने वाला रोग वैज़िनौसिस आदि शामिल हैं। अधिक जानकारी के लिए फैक्टशीट 610 देखें।

सबसे सामान्य अवसरवादी संक्रमण साथ में उनके द्वारा होने वाले रोग तथा बिमारी होने के समय शरीर में सी. डी.फोर कोशिकाओं की संख्या यहाँ दी गई है–

- **कैडीडिआसिस** (थ्रश) मुंह, गले अथवा योनी में होने वाला कवक संक्रमण है। सी.डी.फोर कोशिकाओं की संख्या सीमा– यह शरीर में अधिक सी.डी.फोर कोशिकाओं की संख्या होने पर भी हो सकता है।

- **साइटोमैगालोवायरस** (सी.एम.वी.) विषाणु से होने वाला संक्रमण है जिससे आँख का रोग होने पर नेत्रहीनता हो सकती है। सी.डी.फोर कोशिकाओं की संख्या सीमा– 50 से कम। फैक्टशीट 504 देखें।

- **हरपीस सीम्पलैक्स विषाणु** से मुंह में होने वाला हरपीस (ठंडे घाव) या लिंग का हरपीस हो सकता है। यह बहुत ही सामान्य से होने वाले संक्रमण हैं, लेकिन यदि आपको एच.आई.वी. है तो यह और भी ज्यादा एवं गंभीर रूप से हो सकता है। यह संक्रमण सी.डी.फोर कोशिकाओं किसी भी संख्या पर हो सकता है। फैक्टशीट 508 देखें।

- **मलेरिया** विकासशील विश्व में सामान्य है। यह एच.आई.वी. के साथ जी रहे लोगों में बहुत ही सामान्य तथा गंभीर रूप से होता है।

- **माइकोबैक्टिेरीयम एवियम कॉम्पलेक्स** (एम.ए.सी. या एम.ए.आई.) बैक्टेरीया से होने वाला संक्रमण है जिसके कारण बार–बार बुखार आ सकता है, बीमार होने का आभास होता है, पाचन क्रिया में समस्या आती है, तथा गंभीर रूप से वज़न कम होता है।

  सी.डी.फोर कोशिकाओं की संख्या सीमा– 75 से कम। फैक्टशीट 514 देखें।

- **नियुमोसिसटिस निमोनिया** (पी.सी.पी.) कमक से होने वाला संक्रमण है जो कि जानलेवा निमोनिया कर सकता है।

- सी.डी.फोर कोशिकाओं की संख्या सीमा– 200 से कम। फैक्टशीट 515 देखें। दुर्भाग्यवश यह अभी भी उन लोगों में सबसे सामान्य अवसरवादी संक्रमण है जिनकी एच. आई.वी. जाँच नहीं हुई है या एच.आई.वी. का उपचार नहीं ले रहे हैं।

- **टॉक्सोपलासमोसिस (टॉक्सो)** मस्तिष्क को होने वाला प्रोटोजुअन संक्रमण है।

  सी.डी.फोर कोशिकाओं की संख्या सीमा–100 से कम। फैक्टशीट 517 देखें।

- **तपेदिक (टी.बी.)** बैक्टेरीया से होने वाला संक्रमण है जो कि फेफड़ों, ग्रंथियों तथा शरीर के अन्य अंगो पर आक्रमण करता है। भारत में एच.आई.वी. के साथ जी रहे लोगों में तपेदिक सबसे सामान्य सहसंक्रमण है। सी.डी.फोर कोशिकाओं की संख्या सीमा– प्रत्येक व्यक्ति जो एच.आई.वी. जाँच में संक्रमित पाया गया हो उसका टी.बी. का उपचार किया जाना चाहिए। फैक्टशीट 518 देखें।

अवसरवादी संक्रमणों से बचाव

अधिकांश जिवाणु जो अवसरवादी संक्रमण फैलाते हैं वो सामान्य प्रकार के ही होते हैं और उनमें से अनेक संक्रमण आपको पहले से ही होते हैं। आप स्वच्छ रहकर तथा उन जिवाणुओं के स्त्रोत से दूर रहकर जो अवसरवादी संक्रमण फैलाते हैं, नवीन संक्रमणों की संभावना को कम कर सकते हैं।

यहाँ तक की यदि आपको को अवसरवादी संक्रमण भी है तो आप दवाई लेकर उसे किसी बिमारी का रूप लेने से रोक सकते हैं। इसे प्रोफायलैक्सिस (रोग को होने से रोकने वाली औषधी) कहते हैं। अवसरवादी संक्रमणों को रोकने का सबसे अच्छा उपाय असरदार एंटीरिट्रोवायरल दवाएँ लेना है।

अवसरवादी संक्रमणों का उपचार

प्रत्येक अवसरवादी संक्रमण के लिए विशेष प्रकार की दवाएं होती हैं या फिर दवाइयों को सन्धि के रूप में लिया जाता है जो कि ज्यादा असरकार होता है। प्रत्येक अवसरवादी संक्रमण के विषय में अधिक जानने के लिए कि वो किस प्रकार कार्य करते हैं फैक्टशीट देखें।

असरकारी एंटिरिट्रोवायरल दवाएँ नष्ट हो चुके रोगप्रतिरोधक तंत्र वापस से ठीक कर सकते हैं और अवसरवादी संक्रमणों से अच्छे प्रकार से लड़ सकते हैं। रोगप्रतिरोधक क्षमता के पूर्वावस्था की प्राप्ति पर अधिक जानकारी के लिए फैक्टशीट 481 देखें। **पुर्नअवलोकन सितम्बर 28, 2007**	